Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to develop a skill Development centre in Adampur to revive Adampur Khadi Mandal.

श्री संतोख सिंह चौधरी (जालंधर): अध्यक्ष महोदय, जब महात्मा गांधी जी ने स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत की और भारतीयों को अंग्रेजी सामान का उपयोग बंद करने और केवल भारतीय उत्पादों का प्रयोग करने के लिए कहा, तो खादी इस आंदोलन का एक अभिन्न हिस्सा बनी। एक तरह से खादी मेक इन इंडिया प्रोग्राम बना।

लेकिन दुख की बात है कि आज वही खादी अपनी पहचान बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आदमपुर में पंजाब खादी मंडल है। वर्ष 1925 में महात्मा गांधी आदमपुर आए और वहाँ के कारीगरों से अति प्रभावित हुए और वहीं पर उन्होंने ऑल इंडिया स्पिनर्स एसोसिएशन की स्थापना की। इसका पहला ऑफिस आदमपुर में स्थापित किया गया। उस खादी मंडल में जो हजारों कारीगर थे, उनको रोज़गार दिया।

इंडस्ट्रियलाइजेशन और मैकेनाइजेशन के कारण आज खादी अन-पॉपुलर हो गई है, यह पॉपुलर नहीं रही। आदमपुर का जो खादी मंडल है, वह एक सिक यूनिट बनता जा रहा है। उस खादी मंडल के पास छ: एकड़ जमीन है। जहाँ हजारों कारीगर काम करते थे, वहाँ अब सिर्फ 20-25 कारीगर ही बचे हैं।

आपके माध्यम से भारत सरकार से मेरी माँग है कि खादी एंड विलेज इंडस्ट्री कमीशन को निर्देश दिया जाए और आदमपुर खादी मंडल को रिवाइव किया जाए। इसके लिए एक स्पेशल पैकेज दिया जाए और इसे एक स्किल डेवलपमेंट सेन्टर के रूप में विकसित किया जाए।

माननीय अध्यक्ष: श्री मलूक नागर और श्री कुलदीप राय शर्मा को श्री संतोख सिंह चौधरी द्वारा उठाए गए विषय से संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।